॥आमंत्रण॥

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित

शब्दम्

शब्दम्

मान्यवर,

साहित्य–संगीत–कला को समर्पित संस्था **"शब्दम्"** के **आठवें स्थापना दिवस** के अवसर पर आयोजित **सम्मान समारोह एवं विशेष उदबोधन**

विषयः **"हिन्दी मीडिया से वर्तमान एवं भविष्य को उम्मीदें"**

दिनांक; 17 नवम्बर 2012 **समय;** ठीक अपरान्ह 3 बजे
में आप सादर आमंत्रित हैं।

सम्माननीय हिन्दी सेवी अतिथिद्वय

डा. वेदप्रताप वैदिक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक एवं समाचार एजेंसी 'भाषा' के संस्थापक संपादक

श्री आशुतोष प्रबन्ध संपादक, IBN 7

अध्यक्षताः **श्री उदयप्रताप सिंह** कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

स्थान; **संस्कृति भवन, हिन्द परिसर, शिकोहाबाद**

विनीत

किरण बजाज, अध्यक्ष

एवं न्यासी मंडलः प्रो नन्दलाल पाठक, उदयप्रताप सिंह, सोम ठाकुर, शेखर बजाज, मुकुल उपाध्याय।

सलाहकार मंडलः बालकृष्ण गुप्त, उमाशंकर शर्मा, डा ओमप्रकाश सिंह, डा ए के आहूजा, डा महेश आलोक, डा ध्रुवेन्द्र भदौरिया, मुकेश मणिकांचन, मंजरउल वासै, डा रजनी यादव।

विशेष अनुरोधः स्थान सीमित है। कृपया 15 नवम्बर 2012 तक अपनी उपस्थिति की स्वीकृति sms, e-mail या पत्र द्वारा देना अवश्य सुनिश्चित करें।

कृपया अपरान्ह 2.55 बजे तक अपना स्थान अवश्य ही ग्रहण कर लें।

कृपया आमंत्रण पत्र साथ लेकर आएं।

दूरभाष नं.– 05676–234018 ,09358430238,09410060600,098975419

ई–मेल –pmhoskb@gmail.com

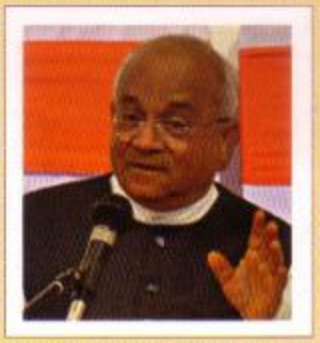

डॉ० वेद प्रताप वैदिक

डॉ० वेद प्रताप वैदिक जन्म 30 दिसम्बर 1944 को इंदौर में हुआ। भारतवर्ष के वरिष्ठ पत्रकार, राजनैतिक विश्लेषक, पटु वक्ता एवं हिन्दी प्रेमी हैं। दर्शन और राजनीति उनके मुख्य विषय थे। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में पीएचडी किया। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञों में उनका स्थान महत्वपूर्ण है। वे रूसी, फारसी, अंग्रेजी, संस्कृत व हिन्दी सहित अनेक भारतीय भाषाओं के विद्वान हैं। वैदिक जी अपने मौलिक चिन्तन और प्रभावशाली वक्तृत्व के लिये जाने जाते हैं।

वैदिक जी अनेक भारतीय व विदेशी शोध–संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में 'विजिटिंग प्रोफेसर' रहे हैं। भारतीय विदेश नीति के चिन्तन और संचालन में उनकी भूमिका उल्लेखनीय है। अपने पूरे जीवन काल में उन्होंने लगभग 80 देशों की यात्रायें की हैं।

अंग्रेजी पत्रकारिता के मुकाबले हिन्दी में बेहतर पत्रकारिता का युग आरम्भ करने वालों में डॉ वैदिक का नाम अग्रणी है। डॉ वैदिक हिन्दी को भारत और विश्व मंच पर स्थापित करने की दिशा में सदा प्रयत्नशील रहते हैं।

डॉ वैदिक का हिन्दी प्रेम

1957 में सिर्फ 13 वर्ष की आयु में उन्होंने हिन्दी के लिये सत्याग्रह किया और पहली बार जेल गये। डॉ. वैदिक ने पिछले 50 वर्षों में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिये अनेकों आन्दोलन चलाये और अपने चिन्तन व लेखन से यह सिद्ध किया कि स्वभाषा में किया गया काम अंग्रेजी के मुकाबले कहीं बेहतर हो सकता है। उन्होंने एक लघु पुस्तिका विदेशों में अंग्रेजी भी लिखी जिसमें तर्कपूर्ण ढंग से यह बताया कि कोई भी स्वाभिमानी और विकसित राष्ट्र अंग्रेजी में नहीं, बल्कि अपनी मातृभाषा में सारा काम करता है।

प्रकाशित पुस्तकें

• भारतीय विदेश नीति : नये दिशा संकेत (1971) • अंग्रेजी हटाओ : क्यों और कैसे ? (1973) • अफगानिस्तान में सोवियत–अमरीकी प्रतिस्पर्धा (1973) • हिन्दी का सम्पूर्ण समाचार–पत्र कैसा हो ? (1994) • अफगानिस्तान : कल, आज और कल (2002) • वर्तमान भारत (2002). महाशक्ति भारत (2002)

सम्पादित पुस्तकः • हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम संपादित (1976)

अंग्रेजी पुस्तकः एथनिक क्राइसिस इन श्रीलंका : इंडिया'ज ऑप्शंस'1985

पुरस्कार एवं सम्मान

• काबुल विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान , 1972 • उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गोविन्द वल्लभ पन्त पुरस्कार, 1976 • उत्तर प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा 'पुरुषोत्तम दास टण्डन' स्वर्ण पदक, 1988 • पत्रकारिता में 'श्रेष्ठ कला आचार्य' की उपाधि, 1989 • हिन्दी अकादमी, दिल्ली द्वारा पत्रकारिता के लिये सम्मान , 1990 • डॉ. राममनोहर लोहिया सम्मान, 1990 • इण्डियन कल्चरल सोसायटी द्वारा 'लाला लाजपतराय सम्मान', 1992 • मीडिया इण्डिया सम्मान, नई दिल्ली, 1992 • प्रधानमन्त्री द्वारा रामधारी सिंह दिनकर शिखर सम्मान, 1992

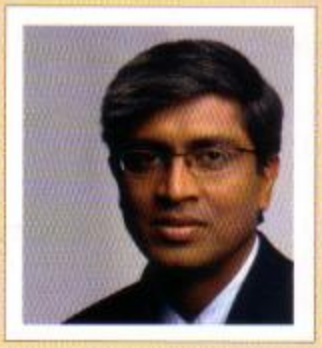

आशुतोष

प्रबन्ध सम्पादक IBN7

आशुतोष जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से सोवियत अध्ययन में **'एम. फिल' तथा दर्शन एवं अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में 'एम.ए.'** है। उन्होने पत्रकारिता का प्रारम्भ भारत के आधुनिक इलेक्ट्रानिक मीडिया के दिग्दर्शक एस पी सिंह के निर्देशन मे किया। आशुतोष 47 वर्ष की उम्र में **आई बी एन 7 के प्रबन्ध सम्पादक** हैं। आई बी एन 7 में शामिल होने से पहले वह **'आज तक'** एक प्रमुख समाचार चैनल के कार्यकारी निर्माता थे। वह इस चैनल पर प्राइम टाइम एंकर भी थे। एक कुशल प्रस्तोता के साथ ही आशुतोष सम्पादन एवं कार्यक्षेत्र में खबरों को पूरी कुशलता के साथ सम्पादित एवं प्रबन्धित करने में सिद्धहस्त है।

उन्होनें व्यापक रुप से भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक के संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने वाली चुनाव प्रक्रिया को कवर किया है। आशुतोष विशेष रुप से उस समय चर्चा में आए जब कश्मीर में आतंकवाद अपने चरम पर था और वे वहां की गतिविधियों को खबरों के माध्यम से जनता तक पहुंचा रहे थे।

वह आई बी एन 7 चैनल पर दिखाई एवं पढ़ी जाने वाली समग्र सम्पादकीय सामग्री और 250 से अधिक पत्रकारों की टीम के व्यवस्थापन एवं प्रबन्धन के लिए उत्तरदायी हैं।

वह स्वतंत्र भारत के एकमात्र हिन्दी भाषा के टी वी पत्रकार हैं जिन्हें **Dag Hammejoldt** संयुक्त राष्ट्र छात्रवृति के लिए चुना गया। यह छात्रवृति प्रति वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा तीसरी दुनिया के सौ से अधिक देशों के 4 युवा पत्रकारों को दी जाती है।

आशुतोष हिन्दी समाचार पत्रों 'दैनिक भास्कर' एवं 'हिन्दुस्तान' में नियमित स्तंभ लिखते है। उन्होने अन्ना के आंदोलन पर एक पुस्तक "Anna 13 Days That Awakened India" लिखा है। आशुतोष ने टेलीविजन समाचार की अवधारणा में क्रांति ला दी है। कहना न होगा कि इस रुप में वे हिन्दी टेलीविजन समाचार की दुनिया के बहुचर्चित व्यक्तित्वो में से एक है।

शब्दम्, हिंद लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद – 205141. फोन: 05676-234018 ई–मेल: pmhoskb@gmail.com
मुंबई संपर्क: २०१, मेकर टावर–'ए', कफ परेड, मुंबई– 400005

www.shabdamhindi.com